🪔 गंगा आरती 🪔

हर हर गंगे, जय मां गंगे, हर हर गंगे, जय मां गंगे ॥

ओम जय गंगे माता, श्री जय गंगे माता...
जो नर तुमको ध्याता, मनवांछित फल पाता !!
!! ओम जय गंगे माता !!

चंद्र सी जोत तुम्हारी, जल निर्मल आता...
शरण पडें जो तेरी, सो नर तर जाता !!
!! ओम जय गंगे माता !!

पुत्र सगर के तारे, सब जग को ज्ञाता...
कृपा दृष्टि तुम्हारी, त्रिभुवन सुख दाता !!
!! ओम जय गंगे माता !!

एक ही बार जो तेरी, शारणागति आता...
यम की त्रास मिटा कर, परमगति पाता !!
!! ओम जय गंगे माता !!

आरती मात तुम्हारी, जो जन नित्य गाता...
दास वही सहज में, मुक्ति को पाता !!
!! ओम जय गंगे माता !!

ओम जय गंगे माता, श्री जय गंगे माता...
जो नर तुमको ध्याता, मनवांछित फल पाता !!

!! ओम जय गंगे माता, श्री जय गंगे माता !!